

राजनैतिक पूँजी गंवा चुकी 'आप' के समक्ष किला बचाने की चुनौती



विकास सक्षमता

दाल्ख का सत्ता पर अधिक दस-
साल से काबिज आम आदमी पार्टी
को इस बार के विधानसभा चुनाव
में बड़ी चुनौतियों का सामना करना
पड़ रहा है। अपना हजारे के
भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के गभर्नर
से जन्मे इस राजनैतिक दल के नेता
खुद भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में
घिर हुए हैं। जिस राजनैतिक जमाने
पूंजी के साथ इस राजनैतिक दल
का गठन किया गया था, बीते एक
दशक में ही उसके नेताओं ने इसे
पूरी तरह गंवा दिया है। पार्टी की
स्थापना के समय जो उच्च नैतिक
मानदण्ड और आदर्श स्थापित किया
गए थे वे दूर-दूर तक पार्टी नेताओं
के व्यवहार में नजर नहीं आ रहे हैं
आम आदमी पार्टी के संयोजक
अरविन्द केजरीवाल विषय के
साथ- साथ अपने पूर्व सहयोगियों
के भी निशाने पर हैं।

कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूपाए सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान अप्पा हजारे के नेतृत्व में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन शुरू हुआ। उस समय टू जी स्पेक्ट्रम्, कामनवेल्थ गेम्स, आदर्श हाइसिंग सोसाइटी और कोयला धोटाले जैसे लाखों करोड़ रुपये के घपलों के समाचार लगातार मीडिया की सुरिखियां बन रहे थे।

तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार के दौरान हुए धोटालों के खिलाफ सीएजी की रिपोर्ट और न्यायालय के आदेशों से लोगों को लगाने लगा था कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग या तो खुद भ्रष्टाचार में लिप्त या भ्रष्टाचारियों को उनका संरक्षण प्राप्त है। लगातार दूसरी बार देश की सत्ता पर काबिज होने से कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का दंभ चरम पर था। भ्रष्टाचार से जुड़े हर सवाल के जवाब में वे

एक ही बात कहत नजर आती कि 2009 के आम चुनाव दूसरी बार सत्ता सौंप कर देश जनता ने उन्हें कलीन चिट दे दी ऐसे में समाजसेवी अण्णा हजारी नेतृत्व में इण्डिया अंगेस्ट करपार के बैनर तले दिल्ली के जनतर-मण्डप पर भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन सिर्फ एक मांग थी कि देश जनलोकपाल बनाया जाए। असशक्तियों से सम्पन्न जनलोकपाल देश से भ्रष्टाचार खत्म कर देगा। इसी समय गुरु बाबा रामदेव ने भी विदेशों जमा काले धन को बापस लाने मांग को लेकर दिल्ली में आंदोलन शुरू किया। जिसे सरकार निर्मता पूर्वक कुचल दिया। की जनता राजनेताओं, कॉरपोरेट घरानों और नौकरशरण की दुरुभि सधि से दिनों-दिन बर्भ्रष्टाचार को अपने दैनिक जीवन महसूस कर रही थी। जनलोकपाल का जो खाका अण्णा हजारी आंदोलन के समय पेश किया उसे देख कर लोगों ने महसूस किया कि इससे भ्रष्टाचार समस्या पर काफी हद तक बदल किया जा सकेगा। लेकिन सत्ताशक्ति कांग्रेस के नेताओं ने जनलोकपाल बनाने की मांग का उपहास कर हुए आंदोलन से जुड़े नेताओं खुद राजनीति में आकर इस तरका का कानून बनाने की चूनाती अण्णा आंदोलन को दैशभर मिले व्यापक जनसमर्थन तत्कालीन सत्ताधारी दल कांग्रेस के विरुद्ध तैयार हो रहे जनमत उत्साहित आंदोलन से जुड़े होनेताओं ने राजनीतिक क्षेत्र में वर्गदणी को साफ करने के लिए इस्वयं इस दलदल में उत्तरे योजना बनाई। हालांकि अ

हजार इस आदालत से युड़ला के राजनीति में उत्तरने के विचार सहमत नहीं थे। वैकल्पिक राजनीति के नियमों के साथ अरविन्द केजरीवाल, प्रशांत भूषण, योगेश यादव, कुमार विश्वास, शाजिम इत्थी आदि ने एक नया राजनीतिक दल बनाने की योजना तैयार की और इसे नाम दिया गया- अपनी आदमी पार्टी। इस राजनीतिक दल की औपचारिक घोषणा के लिये दिन चुना गया 26 नवम्बर 2011 का ताकि देश की जनता को भास्तु के संविधान के प्रति पार्टी का प्रतिबद्धता का सीधा संदेश दिया जा सके। संविधान सभा ने 26 नवम्बर 1949 को ही देश के संविधान को स्वीकृति प्रदान की थी। इसी समय पार्टी विचारधारा को स्पृह करते हुए अरविन्द केजरीवाल ने कहा- ‘हम आम आदमी हैं। अमर वामपंथी विचारधारा में हम समाधान मिल जायें तो हम वहाँ विचार उद्धार ले लेंगे और अमर दक्षिणपंथी विचारधारा में हम समाधान मिल जायें तो हम वहाँ भी विचार उद्धार लेने में खुश हैं। आम आदमी पार्टी की स्थापना 2011 समय सबसे ज्यादा जोर देते हुए कहा गया कि अब तक देश का सत्ता पर कबिज रहे राजनीतिक दलों में तामाप्रकार के दुरुण बढ़ गए हैं।

का अपना लाकपाल होगा जो सभी नेताओं की निगरानी करेगा। बड़े-बड़े आदर्शों के साथ शुरू हुई आम आदमी पार्टी ने चंद महीनों के भीतर खुद को पारंपरिक राजनीति के अनुरूप ढालना शुरू कर दिया। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2013 में पहली बार जनता की अदालत में पहुंची आम आदमी पार्टी के 28 उम्मीदवारों को लोगों ने विधानसभा पहुंचा दिया। सत्ता की चाह में बच्चों की कसम और सभी आदर्शों को भूलाकर अरविन्द केजरीवाल ने कांग्रेस के समर्थन से सरकार बना ली। इसके बाद एक-एक करके उन सभी आदर्शों को तिलाजित दे दी गई जिनकी बात 26 नवम्बर 2012 को की गई थी। पार्टी के अधिकांश संस्थापक सदस्यों प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, शाजिया इल्मी, कुमार विश्वास आदि ही नहीं बल्कि पार्टी के अंतरिक लोकपाल एडमिरल रामदास तक को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। आम आदमी पार्टी से जुड़े नेता सत्ताधारी पार्टी के नेताओं को सादगी पूर्ण जीवन की बात कहते हुए छोटे मकान, छोटी कार और सीमित सुरक्षा की नसीहत देते थे

लेकिन सत्ता में आते ही आआपा नेता उन सभी सुख-सुविधाओं को भोगते नजर आ रहे हैं जिसे लेकर वे राजनेताओं की तीखी आलोचना किया करते थे। खासतौर पर अरविन्द केजरीवाल पर कोरोना काल में अपने सरकारी आवास की मरम्मत पर 33 करोड़ रुपये खर्च करने के आरोप लगे। लाखों रुपये के पर्दे, टायलेट और टायलल्स आदि को लेकर चर्चा में आया उनका आवास शीशमहल के तौर पर आम लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हआ है। इसके

अलावा अरविन्द केजरीवाल मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन समेत पार्टी के तमाम नेता और मंत्री महिला उत्पीड़न, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में जेल की हवा खा चुके हैं। जहाँ तक हाईकमान संस्कृति की बात है तो ऐसा लगता है कि अरविन्द केजरीवाल अब पार्टी के स्थायी राष्ट्रीय संयोजक हो चुके हैं। उनके शब्द पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए अंतिम आदेश है और मुख्यमंत्री पद के एकमात्र दावेदार भी वही होंगे। अगर मजबूरी में कोई दूसरा मुख्यमंत्री जैसे सर्वोच्चानिक पद पर चढ़ भी बैठेगा तो उसे 'भरत भाव' में रहना होगा। भ्रष्टाचार विरोधी अण्ण आंदोलन के गर्भ से जन्मी आम आदमी पार्टी की सबसे बड़ी पूँजी उसके नेताओं की भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रतिबद्धता और सादगी पूर्ण जीवन थी। लेकिन इन दोनों मामलों में आआपा नेताओं खासा निराश किया। पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनने के बाद दिल्ली में जनलोकपाल बनाने की कोशिश करने वाली आआपा ने पंजाब में सरकार बनने के बाद जनलोकपाल का नाम भी नहीं लिया है। भ्रष्टाचार के आरोपित और सजायापत नेताओं के साथ मंच साझा किया जा रहे हैं। इतना ही नहीं शराब घोटाले में जेल जाने के बावजूद मुख्यमंत्री पद से इसीफा न देकर अरविन्द केजरीवाल ने आआप की सारी राजनैतिक पूँजी गंवा दी। दिल्ली विधानसभा चुनाव सीधे तौर पर केजरीवाल के राजनैतिक अस्तित्व से जुड़ा है, ऐसे में उनके पास अपना राजनैतिक किला बचाने के लिए लोकतंत्रभावन घोषणाओं का ही सहारा बच रहा है। (लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ਪਾਕੁੜ ਕੀ ਖ਼ਬਰਾਂ

विकास समन्वय व निगरानी समिति की बैठक संपन्न, लिए गए अहम निर्णय



संताल एक्सप्रेस संवाददा

वही लिट्टापाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू ने नमामि गणे योजना के बारे में पैयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अधियंता से कार्यों के बारे में जानकारी ली। सांसद ने वन प्रमंडल पदाधिकारी को निर्देश दिया कि जिले के सभी तालाबों के चारों तरफ पेड़ लगाने एवं विद्यालयों में भी बच्चों के द्वारा वृक्षारोपण कराने हेतु निर्देशित किया गया। महेशपुर प्रैफेसर स्टीफन मरांडी ने कहा कि किंतु गांव में बिजली नहीं पहुंची है उसका प्रतिवेदन सभी विधायक को उपलब्ध करायें। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के समीक्षा ऋम में सांसद ने स्थिविल सर्जन से जानकारी ली कि जिले में डॉक्टरों का कितना पद स्वीकृत है। इस संबंध में स्थिविल सर्जन ने बताया कि 103 स्वीकृत पद के विरुद्ध जिले में 32 डॉक्टर

ही उपलब्ध है। इसको लेकर सांसद ने उपायुक्त को डीएमएफटी मद से डॉक्टर की बहाली कराने का निर्देश दिया गया। जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि 1252 करोड़ लक्ष्य के विरुद्ध 910 करोड़ राजस्व प्राप्त है। इसके अलावा सांसद ने मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना - एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन कार्यक्रम, डिजिटल भारत भू अभिलेख आधुनिकीकरण - लैंबिट दाखिल खारीज, दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण ज्योति योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं श्रमिक कल्याण को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। दिशा की बैठक में सांसद, राजमहल लोकसभा विजय हांसदा के द्वारा अबुआ आवास योजना अंतर्गत पाकुड़ प्रखंड के तालामय सेरेन एवं मो० रोफिक को गृह प्रवेश की चाही, सोना सोबरन धोती साड़ी योजना अंतर्गत दो लाभुकों के बीच धोती साड़ी का वितरण, अनुकम्मा के आधार पर दो लाभुकों के बीच पीड़ीएम लाइसेंस, बन पट्टा योजना अंतर्गत दो लाभुकों के बीच बन पट्टा, साईंकिल वितरण योजना अंतर्गत दो लाभुकों के बीच साईंकिल, जिला समाज कल्याण विभाग अंतर्गत दो सेविका एवं दो सहायिका को नियुक्ति पत्र, हिंट एंड रन योजना अंतर्गत तीन मृतकों के आश्रितों को दो-दो लाख रुपए का डमी चेक, जेएसएलपीएस अंतर्गत दोनों एसएचजी के बीच एसएचजी को 1 लाख 50 हजार रुपए का डमी चेक, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अंतर्गत एक लाभुकों के बीच 49 हजार 79 रुपए का चेक एवं एक लाभुकों के बीच 99 हजार 276 रुपए व चेक, जिला आयुष कार्यालय अंतर्गत डीपीएम नियुक्ति पत्र झारखंड शिक्षा परियोजना पाकुड़ द्वारा छ: बच्चों के बीच स्कूल बैंगनी का जिला स्थापना शाखा द्वारा विकास योजना मुर्मु, निमवर्गीय लिपिक एवं प्रकाशन राजवंशी, अनुसेवक के बीच नियुक्ति पत्र एवं दो लाभुकों के बीच कन्वल का वितरण किया गया। मौजूदा पर विधायक, महेशपुर प्रोफेसर स्टीफन मरांडी, विधायक, लिट्विनोपाता हेमलाल मुर्मु वन प्रमंडल पदाधिकारी सौरभ चंद्रा, जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती जूताला खिष्टमणि हेम्बम, उप विकास अयुक्त महेश कुमार संथालिय विधायिका परियोजना निदेशक, आईटीटीडी अरुण कुमार एका, अपर समाहित जेम्स सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, सिविल सर्जन मंटू कुमार टेकरीवाल, जिला परिवहन पदाधिकारी संजय पीएम कुजूर, स्थापना उप समाहर्ता मनीष कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक सिंह, जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्रीमती प्रीतिलता मुख्यमंत्री सभी प्रखंड के प्रमुख, सास्कृतिक प्रतिनिधि श्याम यादव, सभा विधायक प्रतिनिधि उपस्थित थे।

**फाइलेरिया उन्मूलन जागरूकता
रथ को किया गया दबाना**



पाकुड़ फाईलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम की सफलता को लेकर बुधवार को समाहण्यालय परिसर से सांसद राजमहल लोकसभा क्षेत्र विजय कुमार हांसदा, विधायक, महशपुर प्रोफेसर स्टीफन मरांडी, विधायकलिंग्पाड़ हेमलाल मुमृं एवं उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार डीएफओ सोरभ चंद्रा, उप विकास आयुक्त ने संयुक्त रूप से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उपायुक्त ने बताया कि फाईलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले में 10 फरवरी से 25 फरवरी तक फाईलेरिया रोधी दवा खिलाया जाएगा। यह जागरूकता रथ के माध्यम से लोगों को फाईलेरिया रोग से बचाव के प्रति जागरूक किया जाएगा बीमारी के बारे में कहा कि 1 वर्ष से कम आयु वाले शिशु, गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति, गर्भवती महिलाओं को मलेरिया रोधी दवा नहीं खिलाया

विधिक जागरूकता कार्यक्रम के तहत दी गई कानूनी जानकारी



संताल एक्सप्रेस संवाददातापाकुड़ा झालसा रांची के निर्देशनुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्रायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेष नाथ सिंह निर्देश पर सचिव अजय कुमार गुडिया के मार्गदर्शन में आज पाकुड़ के बालिदातों बालिका उच्च विद्यालय पाकुड़ एवं उत्कृष्ट प्लस टू हाई स्कूल होनपुर में कार्यक्रम आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में पैरा लीगल वॉलिटियर्स कमला राय गंगुली ने कानूनी जानकारी से उपस्थित छात्राओं के बवागत कराया साथ ही बाल विवाह से होने वाले नुकसान सजा का प्रवाधन-मेंत रखा। उपस्थित कई महत्वपूर्ण जानकारी दी। वही पैरा लीगल वॉलिटियर्स अमूल्य रूप विदास, एजार्स्ल शेख एवं विजय कुमार राजवंशी ने उत्कृष्ट उच्च विद्यालय मोहनपुर में उपस्थित छत्र छात्राओं को विस्तार से बाल विवाह के बारे में बताया साथ ही समाज के कई बुराई जैसे बाल श्रम, डायन प्रथा, रेलू हिंसा, मानव तस्करी पर प्रकाश डालते हुए जागरूक की। जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ से मिलने वाली मुफ्त कानूनी सहायता के बारे में जानकारी दी गई। आउटरीच कार्यक्रम के तहत पाकुड़ के सभी प्रखंडों का कुड़ा, महेशपुर, लिङ्गपाड़ा, पाकुड़िया, आमडापाड़ा, हिरण्यपुर के क्षेत्रों में भवित्व वाली के दौरान अपने अपने क्षेत्रों में पैरा लीगल वॉलिटियर्स ने आउटरीच

**सामाजिक कृरीति निवारण एवं को सांसद,
विधायक. डीसी ने हरी झंडी दिखाकर किया एवाज**



पाकुड़ा। राजमहल लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय कुमार हांसद विधायक, महेशापुर प्रोफेसर स्टीफन मारंडी, विधायक, लिट्टैपाड़ा हेमलाल मुर्ख उपायुक्त मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, वन प्रमंड पदाधिकारी सौरभ चंद्रा, उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया बुधवार को सामाजिक कुरीति निवारण जागरूकता रथ को समाहणाल परिसर से सामाजिक कुरीति निवारण जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। मौक पर उपायुक्त मनीष कुमार ने बताया कि य जागरूकता वाहन जिले के विभिन्न क्षेत्र में ध्रमण कर बाल विवाह, डायर प्रथा सहित सभी सामाजिक कुरीतियां के प्रति लोगों को जागरूक करेग कहा कि सामाजिक कुरीति व बाल-विवाह समाज के लिए एक अभिशप है इसे मिटाने के लिए जन सहभागिता की आवश्यकता है। बाल-विव अगर होता रहेगा तो स्वस्थ भारत की कामना नहीं की जा सकती है। बच कुपोषित पैदा होंगे और उनमें विभिन्न प्रकार की बीमारियां होंगी। जिस परिवार एवं समाज के विकास पर असर पड़ेगा।



संताल एक्सप्रेस संबाददातालिपीपाडा (पाकुड़) बुधवार को सोनाधर्नी पंचायत के मुकरी पहाड़ ग्राम में पहाड़िया सेवा समिति द्वारा संचालित \div शिशु घर \div का शुभारंभ प्रखण्ड विकास पदाधिकारी संजय कुमार एवं मुखिया खीनी मालतो द्वारा किया गया। कामकाजी माताओं का 06 माह से 03 वर्ष के शिशुओं को देखभाल के लिए \div शिशु घर \div के आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित कामकाजी माताओं एवं शिशु डे केरर संचालिका को संबोधित करते हुए प्रखण्ड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने कहा कि \div शिशु घर में शिशुओं को प्राथमिक देखभाल कर्ता के विकल्प के रूप में देखा जाता है इसलिए शिशु केंद्र प्रतिष्ठित और विश्वसनीय हो इसका ध्यान रखने की सलाह दी। साथ ही शिशु के रहने का कमरा साफ-सुथरा और शिशु के हाथ पैरों को साफ रखने, साफ कपड़ों का खास ख्याल रखने और खुली हवा में नहीं रखने सहित धुमपान मुक्त क्षेत्र में रहने की सलाह दिये। इसका कार्यक्रम में मुख्य रूप से समाजसेवी पौलस मालतो, लोक मंच के रमेश पहाड़िया, फाटर मारयानूश, संतोष पहाड़िया, यमुना पहाड़िया सहित कार्यक्रमालय में उल्लंघन शिष्यों द्वारा पात्राओं परिवारों परिवर्तन हो।

